मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

जनरल मोहयाल सभा की वार्षिक आम सभा बैठक संपन्न

■ **अशोक लव**

जी.एम.एस. की वार्षिक आम सभा की बैठक 26 मई को मोहयाल फाउन्डेशन में सर्वसम्मति से समस्त प्रस्तावों को पारित करके सम्पन्न हुई। इसमें देश की विभिन्न सभाओं के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य, संरक्षक, प्रतिष्ठित– सदस्य, आजीवन सदस्यों आदि ने भाग लिया, सबमें अपनत्व भरा उत्साह था।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली (अध्यक्ष) ने ध्वजारोहण किया। श्रीमती सुनीता मेहता (सचिव, स्त्री विंग) के साथ सबने मोहयाल प्रार्थना पढी। मैंने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अध्यक्षता करने के लिए जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली जी को मंच पर आमंत्रित किया। श्री रमेश दत्ता (अध्यक्ष, एम.एस. फरीदाबाद) उन्हें मंच पर लाए। विशिष्ट–अतिथि ले.जनरल जी.एल. बक्शी, मेहता ओ.पी. मोहन (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), श्री बी.एल. छिब्बर (उपाध्यक्ष), श्री डी.वी. मोहन (महासचिव) को भी मंच पर आमंत्रित किया गया। रायज़ादा बी.डी. बाली और अन्य पदाधिकारियों ने दीप–प्रज्वलित किया।

कार्यक्रम आरम्भ करते हुए मैंने सबका जी.एम.एस. की ओर से स्वागत किया तथा जी.एम.एस. की स्थापना से लेकर आज तक की स्थिति पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि जी.एम.एस. को रायज़ादा बी.डी. बाली के रूप में कुशल, दूरदर्शी और लोकतान्त्रिक रूप से कार्य करने वाले अध्यक्ष मिले हैं। उनके नेतृत्व में जी.एम.एस. ने ऐतिहासिक प्रगति और विकास किया है, जिससे मोहयालों की विशिष्ट पहचान बनी है।

रायज़ादा बी.डी. बाली भाषण देने के लिए आए तो सबने तालियाँ बजाकर उनका स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में रायज़ादा बी.डी. बाली ने कहा कि हमने जितने कार्य किए हैं, उनमें हमें पूरी बिरादरी का सहयोग मिला है। आप सबके सहयोग से हमने आश्रम बनाए हैं, समाज–सेवा के कार्य किए हैं। जनरल मोहयाल सभा के प्रति आपका यह विश्वास बना रहे। आपके सहयोग से हम आगे भी कार्य करते रहेंगे। जब–जब जरूरत पड़ी है, आपने दिल खोलकर जी.एम.एस. का सभी तरह से सहयोग किया है। आप सबके सहयोग से अभी–अभी मोहयाल आश्रम वृंदावन बना है। गोवर्धन में बन रहा है। अभी हम अन्य कई योजनाओं पर कार्य करने जा रहे हैं। आप सब इसी तरह जी.एम.एस. के साथ अपना सहयोग बनाए रखें। *(पूरा भाषण इसी अंक में)*

इसके पश्चात श्री डी.वी. मोहन (महासचिव) ने अपनी रिपोर्ट पढ़ी। इसकी प्रतियाँ पहले ही वितरित कर दी गई थीं। उन्होंने गत वार्षिक आम सभा बैठक (15 मई 2011) के बाद की जी.एम.एस. की गतिविधियों, कार्यों और उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इसके प्रमुख बिंदु थे– 1. इक्यावानवाँ अखिल भारतीय महाधिवेशन (सात–आठ जनवरी–2012, नई दिल्ली), 2. लोकल मोहयाल सभाओं के अध्यक्षों और सचिवों की बैठक (20 जनवरी 2013), 3. मोहयाल आश्रम वृंदावन का उद्घाटन (25 नवंबर 2012), 4. मोहयाल आश्रम गोवर्धन (निर्माण–प्रगति), 5. प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह (9 अक्टूबर 2011 और 16 सितंबर 2012), 6. विधवाओं आदि को आर्थिक सहायता, 7. शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता, 8. मैट्रिमोनियल–मेला (31 मार्च 2013), 9. एम.इ.आर.आई.टी. (मेरिट), 10. लोकल सभाएँ, 12. जी.एम.एस. के 120 वर्ष, 13. मोहयालों के नाम पर सड़क और कॉम्लेक्स, 14. मोहयाल प्ले स्कूल हरिद्वार, 15. श्रीमती कौशल्या बाली मोहयाल स्कूल देहरादून, 16. स्थायी–सदस्यता, 17. लंगर–फंड (हरिद्वार, वृंदावन आश्रम), 18. ट्रस्ट।

श्री बी.एल. छिब्बर द्वारा वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत– जी.एम.एस. के उपाध्यक्ष श्री बी.एल. छिब्बर ने जी.एम.एस. की वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने जी.एम.एस. की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संदर्भ दिए और वर्तमान आर्थिक स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारियाँ दीं। उन्होंने ऑडिट की गई रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिन्हें पहले से वितरित भी किया गया था। उन्होंने वित्तीय–वर्ष 2010–2011 और 2012–2013 वित्तीय वर्ष के लेखा–जोखा प्रस्तुत किए। उन्होंने गत वार्षिक आम सभा की बैठक की कार्यवाही, महासचिव की रिपोर्ट, वित्तीय–वर्ष 2010–2011 और 2012–2013 वित्तीय–वर्ष की ऑडिट किए एकाउंट्स और आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को पारित करने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। *(इसके लिए इंग्लिश भाग में प्रकाशित रिपोर्ट ही वैधानिक रूप से मान्य होगी। कृपया उसे पढ़ें)।*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

वार्षिक आम सभा की बैठक में कुछ सदस्यों ने अपने–अपने सुझाव दिए, जिनके साथ–साथ स्पष्टीकरण दिए गए। श्री जोगिन्दर वैद, श्री आर.पी. लौ, श्री सुनील वैद, श्री संजीव राय वैद, श्री विनोद दत्त, श्री संदीप बाली, श्री ऋत मोहन, डॉ. रतन दत्ता, श्री संजीव बाली, (बंटी), श्री पुष्प बाली ने सुझाव रखे।

श्री पी.के. दत्ता (उपाध्यक्ष) किन्हीं कारणों से आ न सके उन्होंने ऋषभ त्यागी द्वारा पुष्प–गुच्छ भेजे। उनकी ओर से जी.एम.एस. के समस्त पदाधिकारियों–रायज़ादा बी.डी. बाली, ले.जन. जी.एल. बक्शी, मेहता ओ.पी. मोहन, श्री जी.एल. दत्ता 'जोश', श्री बी.एल. छिब्बर, श्री डी. वी. मोहन, श्री अशोक लव, श्री योगेश मेहता, श्री एस.के. छिब्बर, श्रीमती सुनीता मेहता, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्री के.जी. मोहन, श्री अश्वनी बक्शी, श्री पुष्प बाली, श्री विनोद मेहता आदि का पुष्प–गुच्छ और फूल मालाओं द्वारा स्वागत किया गया।

मेहता ओ.पी. मोहन ने सभी मोहयालों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इतनी गर्मी में आप यहाँ आए यह आपके जी.एम.एस. के प्रति विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। सबने हाथ उठाकर उनके इस कथन का अनुमोदन किया। उन्होंने लोकल मोहयाल सभाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार प्रकट किया। उन सब वक्ताओं का धन्यवाद किया, जिन्होंने अपनी बातें और सुझाव शांति पूर्वक रखे। इस समारोह के आयोजन में सहयोग के लिए उन्होंने जी.एम.एस. के समस्त पदाधिकारियों तथा ऑफिस–स्टाफ़ का धन्यवाद किया।

सबने प्रीति–भोज का आनंद लिया। सुखद और अपनत्व भरे वातावरण में यह बैठक संपन्न हुई। इसका श्रेय समस्त उपस्थित मोहयालों को जाता है।

(इंग्लिश भाग में प्रकाशित रिपोर्ट ही वैधानिक रूप से मान्य होगी, कृपया उसे पढ़ें)।

बधाई

बेबी यशिका बाली सुपुत्री श्री पंकज बाली व श्रीमती इन्दु बाली पौत्री श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल

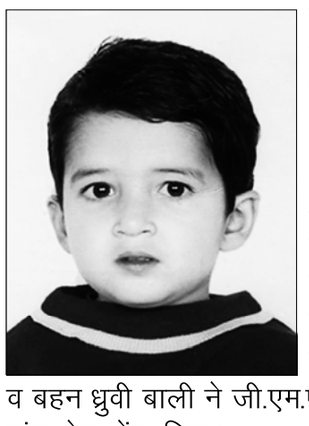

बाली, पड़पौत्री श्रीमती शकुन्तला बाली व स्वर्गीय रायज़ादा अनन्तराम बाली *दोहती* श्रीमती उर्मिला वैद व श्री जगदीशलाल वैद निवासी 43, प्रेमनगर अंबाला शहर के प्री नर्सरी में मैरिट में उत्तीर्ण होने पर यशिका बाली के चाचा व चाची श्री अमित बाली व श्रीमती शिप्ता बाली व बहन ध्रुवी बाली ने जी.एम.एस. को 151 रुपए ऐजुकेशन फंड हेतु भेंट किए।

विवाह की पचासवीं वर्ष-गाँठ पर बधाई

18 मई को श्रीमती प्रवीण मेहता और श्री आई.पी. मेहता (भीमवाल) के विवाह की पचासवीं वर्षगाँठ मनाई गई। इस अवसर पर उनके

सुपुत्र श्री सुमीत मेहता और पुत्रवधू श्रीमती ऋचा मेहता ने सादगीपूर्ण समारोह का आयोजन किया। प्रभु का आशीर्वाद लेने के लिए कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें परिवारजन, संबंधी, परिचित और मित्रगण उपस्थित हुए। सबने पति–पत्नी को शुभकामनाएँ दीं।

श्री आई.पी. मेहता और श्रीमती प्रवीण मेहता ने एक–दूसरे को जयमाला डाली तो सबने तालियाँ बजाकर उनको बधाई दी। उनके पोते ध्रुव और पोती अनन्या आदि ने नाच–नाचकर खूब रंग जमाया। पुत्र और पुत्रवधू ने चरण छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्रीमती नरेश बाला लव और डॉ. अशोक लव ने उन्हें बधाई दी और उनके स्वस्थ रहने तथा दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर श्री आई.पी. मेहता ने अपने माता–पिता की स्मृति में जनरल मोहयाल सभा को मोहयाल आश्रम हरिद्वार के लंगर–फंड के लिए ग्यारह हज़ार रुपए भेंट किए।

शादी की सालगिरह

श्री पंकज बाली सुपुत्र श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली पौत्र श्रीमती शकुन्तला बाली व स्वर्गीय रायज़ादा

अनन्तराम बाली व श्रीमती इन्दु बाली सुपुत्री श्रीमती उर्मिला वैद व श्री जगदीश लाल वैद की विवाह की 7वीं सालगिरह दिनांक 14.04.2013 पर पंकज बाली के भाई–भाभी श्रीमती अमित बाली व श्रीमती शिप्ता बाली व भतीजी बेबी ध्रुवी बाली ने जी.एम.एस. के ऐजुकेशन फंड हेतु 151 रुपए व मोहयाल सभा अंबाला शहर को 151 रु. भेंट किए। जी.एम.एस. की ओर से वैवाहिक वर्षगांठ कार्ड भी प्राप्त हुआ।

रायज़ादा बी.डी. बाली का स्वागत भाषण

प्रिय भाइओं, बहनों, युवाओं और बच्चों,

जी.एम.एस. की इस वार्षिक आम–सभा बैठक (ए.जी.एम.) में आपका स्वागत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। आशा है कि आज होने वाली कार्यवाही सद्भाव भरी होगी और समाज के लिए लाभदायक होगी।

गत ए.जी.एम. के पश्चात जी.एम.एस. ने विभिन्न क्षेत्रों में अनेक कार्य किए। चाहे ये आर्थिक क्षेत्र में थे, वृंदावन और गोवर्धन में नए आश्रम बनाने के थे, मेरिट को आर्थिक रूप से मजबूत करके समाज की सेवा करने के थे, विधवा बहनों की सहायता करने के थे, जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने और उच्च शिक्षा के लिए थे अथवा मेडिकल–सहायता के लिए थे। हमारे लि यह संतोष की बात है कि इन कार्यों की सबने बहुत प्रशंसा की है। हमारे साथ संबंध लोकल मोहयाल सभाओं ने सर्वोच्च संस्था के आवश्यक अंगों की रूप में अपनी उचित भूमिका निभाई है। हम इसकी प्रशंसा करते हैं।

गत वर्षों में जी.एम.एस. ने अपनी विश्वसनीयता बनाई है, जिस पर हम सब गर्व कर सकते हैं हमने विभिन्न आश्रम, भवन और इमारतें बने हैं– जैसे मोहयाल फाउन्डेशन–जो हमारी गतिविधिओं का केन्द्र है और भविष्य में हम स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने जा रहे हैं, जो समय की मांग है। मोहयाल सभा यमुना नगर के सौजन्य से हमारे पास यमुना नगर में भू–खंड है, जिसका स्थानीय समाज के हित के लिए सदुपयोग किया जाएगा। इसी प्रकार देहरादून में हम सफलतापूर्वक नर्सरी स्कूल चला रहे हैं। इसके साथ–साथ हमने हरिद्वार में प्ले स्कूल आरंभ किया है, जिसे कैम्ब्रिज के सहयोग से पिछड़े बच्चों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मॉडल नर्सरी स्कूल में विकसित किया जाएगी। जी.एम.एस. की वर्तमान गतिविधियों में यह नया अध्याय होगा।

मैंने हमेशा कहा है कि जी.एम.एस. गत कुछ वर्षों में जी.एम.एस. की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और यह अपनी सीमाओं तथा स्रोतों के अनुसार नए क्षेत्रों में कार्य करने में सक्षम हैं और समाज की सेवा करने वाले नए–नए क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रस्तावों का स्वागत करती हैं।

मेरे सहकर्मी– श्री बी.एल. छिब्बर (उपाध्यक्ष) और श्री डी.वी. मोहन (महासचिव) आर्थिक रूपरेखा का विवरण प्रस्तुत करेंगे और गत कुछ वर्षों में किए कार्यों आदि की जानकारी देंगे, आशा है आप इनकी प्रशंसा और अनुमोदन करेंगें।

हमने काफी कुछ कर लिया है, जैसा कहा जाता है कि आकाश कार्य करने की सीमा होता है, अभी और बहुत कुछ प्राप्त करना शेष है। एकता और संगठन से और पूरे समाज को प्रगति तथा विकास की दिशा में अग्रसर होकर यह उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है। हमें इस दिशा में हमेशा चलते रहना है।

अंत में मैं आपका यहाँ उपस्थित होने के लिए धन्यवाद करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप विरासत में मिली अपनत्व की भावना से विचार विमर्श में भाग लेंगें।

जय मोहयाल!

बी. डी. बाली

बी.डी. बाली
अध्यक्ष, जी.एम.एस.

(अंग्रेजी से भावानुवाद–अशोक लव)

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

पाँचवाँ वार्षिक मोहयाल मिलन

मोहयाल सभा पश्चिम विहार ने धूमधाम से मनाया

मोहयाल सभा पश्चिम विहार ने 5 मई 2013 को पाँचवाँ मोहयाल मिलन धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर जी.एम.एस. प्रेज़ीडेंट रायज़ादा बी.डी. बाली ने समारोह की सफलता के लिए संदेश भेजा था। सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट मेहता ओ.पी. मोहन और सेक्रेटरी जनरल श्री डी.वी. मोहन ने भी शुभकामना संदेश भेजे।

समारोह के मुख्य–अतिथि डॉ. अशोक लव (संपादक हिंदी मोहयाल मित्र, सेक्रेटरी जी.एम.एस.) ने मोहयालों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनरल मोहयाल सभा की प्रगति और विकास का श्रेय रायज़ादा बी.डी. बाली जी को जाता है, जिन्होंने अपनी ऐसी टीम

बनाई जिसने समर्पित भाव से कार्य किया। अपनी सभ्यता और संस्कृति को जिंदा रखने के लिए इन समारोहों का बहुत महत्व है। इसमें बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिक आते हैं। आपस में मिलते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। इनसे अपनेपन का भाव जाग्रत होता है। मोहयाल सभा पश्चिम विहार के पदाधिकारियों ने मिलकर सभा को इतने कम समय में अपने कार्यों द्वारा विशेष पहचान दिलाई है। इसका श्रेय श्री शशि छिब्बर और भाई ओ.पी. छिब्बर तथा पूरी टीम को जाता है। जी.एम.एस. की विभिन्न परियोजनाओं के साथ आपकी सभा का सहयोग हमेशा मिला है।

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्री सुशील कुमार छिब्बर तथा स्थानीय विधायक श्री श्यामलाल गर्ग समारोह के विशिष्ट–अतिथि थे।

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर (सेक्रेटरी मैट्रीमोनियल) ने रिश्ते–नाते की स्थिति पर अपने विचार रखे। उन्होंने मोहयाल सभा खन्ना द्वारा आयोजित मैट्रीमोनियल मेले के विषय में भी बताया। वित्त सचिव जी.एम.एस. श्री सुशील कुमार छिब्बर ने जी.एम.एस. की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। श्री श्यामलाल गर्ग ने मोहयाल सभा पश्चिम विहार के कार्यों की प्रशंसा की तथा जी.एम.एस. के समाज सेवा के कार्यों की सराहना की।

सभा के सेक्रेटरी श्री शशि छिब्बर ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में इस मेले का आयोजन हुआ है। इसकी सफलता का श्रेय मोहयाल परिवारों को जाता है। हम हमेशा

जी.एम.एस. के साथ रहे हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने जी.एम.एस. के आजीवन सदस्य बनने की अपील की।

इससे पूर्व सभा के प्रधान भाई ओ.पी. छिब्बर तथा उपप्रधान श्री एम. एल. दत्ता ने मुख्य–अतिथि डॉ. अशोक लव तथा विशिष्ट–अतिथियों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया। इस अवसर पर श्री ओ.पी. मोहन (प्रेज़ीडेंट मो. सभा रोहिणी पीतमपुरा), मोहयाल सभा जनकपुरी के पदाधिकारी तथा सदस्य श्री के.के. बाली, श्री बी.एम. दत्ता, श्री सतीश बक्शी, श्री आर.के. बाली, कर्नल युद्धवीर बक्शी, भाई इंद्रजीत छिब्बर आदि की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

मेले का आरंभ श्रीमती कंचन माला वैद ने मोहयाल प्रार्थना पढ़कर किया। दिवंगत मोहयालों को श्रद्धांजलि दी गई। श्रीमती कंचन माला वैद ने सांस्कृतिक समारोह का कुशल संचालन किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। बच्चों की फ़ैंसी ड्रेस, गायन आदि प्रतियोगिताएँ कराई गईं। श्रीमती कृष्णलता छिब्बर और श्रीमती नरेश बाला लव निर्णायक थीं। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार दिए। बड़ों और बच्चों की गतिविधियों को मेले में रंग जम गया।

नविका छिब्बर के नृत्य ने सबका मन मोह लिया।

श्रीमती उमा दत्ता और श्रीमती तृप्ता बक्शी ने सांस्कृतिक आयोजन में श्रीमती कंचन माला वैद का सक्रिय सहयोग किया।

श्री ओम दत्त बक्शी और श्री ओ.पी. दत्ता ने सभा की गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उनके इस योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। सभा की ओर से मुख्य अतिथि डॉ. अशोक लव तथा विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जनरल मोहयाल सभा की ओर से शगुन के रूप में सभा को दस हज़ार रुपए भेंट किए गए।

श्री शशि छिब्बर ने उपस्थित सदस्यों तथा अतिथियों का धन्यवाद किया।

–शशि छिब्बर, *सेक्रेटरी मोहयाल सभा पश्चिम विहार, नई दिल्ली*
(मो.) 9891937491

मोहयाल मिलन-2013: मोहयाल सभा प्रेमनगर

मोहयाल सभा प्रेमनगर (देहरादून) के लिए 21 अप्रैल 2013 का दिन (रविवार) एक ऐतिहासिक दिन बन गया जब श्री हर्षवीर मेहता (उपप्रधान) तथा रिपुदमन बाली अपने साथ मेजर के.आर. मोहयाल नर्सरी स्कूल करनपुर से, जनरल मोहयाल सभा नई दिल्ली से विशिष्ट सदस्य सर्वश्री ओ.पी. मोहन (वरिष्ठ उपप्रधान), श्री डी.वी. मोहन (महासचिव), श्री एस.के. छिब्बर (वित्त सचिव), श्रीमती कृष्णलता छिब्बर (सचिव रिश्ते–नाते), श्रीमती सुनीता मेहता (सचिव स्त्री विंग) एवं मेजर के.आर. बाली (नर्सरी स्कूल के प्रबंधक) श्री एस.के. दत्ता के साथ पधारे। इनके आते ही सबमें खुशी की लहर दौड़ गई तथा जय मोहयाल के उद्घोष से सारा वातावरण गूँज उठा। प्रांगण में प्रवेश करने पर सभा के प्रधान श्री डी.एन. दत्ता, श्री जे.एस. दत्ता (कोषाध्यक्ष), श्री राजेश बाली (सचिव), श्री मनमोहन बाली (वरिष्ठ उपप्रधान), श्री मोहिन्द्र दत्ता, श्री मोहन बाली, श्री तिलक राज बाली, श्रीमती कविता दत्ता, श्रीमती पूजा दत्ता एवं श्रीमती नीरु छिब्बर आदि ने उनका स्वागत किया तथा श्रीमती गायत्री दत्ता ने पुष्प वर्षा की।

जलपान करते हुए सब मोहयाल भाई–बहिन एक दूसरे से मिले तथा खुशगवार मौसम का आनन्द उठाया।

स्वागत समारोहः श्री हर्षवीर मेहता ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए जीएमएस से पधारे विशिष्ट अतिथियों को एक–एक कर मंच पर बैठने के लिए आमंत्रित किया। इसी बीच डॉ. पी.पी. भोज वैद, निदेशक वन अनुसंधान संस्थान (एफ आर आई) की पूज्य माता जी श्रीमती कान्ता भोज वैद (पानीपत निवासी) की मोहयाल मिलन में आने पर आदर पूर्वक मंच पर श्रीमती गायत्री दत्ता, श्रीमती पूजा दत्ता

एवं श्रीमती रजनी बाली द्वारा बैठाया गया तथा शॉल ओढ़कर स्वागत किया। श्रीमती कृष्णलता छिब्बर द्वारा मोहयाल प्रार्थना पढ़ने के बाद कार्यक्रम आरम्भ किया गया।

इसके पश्चात जी.एम.एस. के सभी गणमान्य सदस्यों का पुष्पमाला, पुष्प–गुच्छ तथा शॉल देकर सभा के सदस्यों द्वारा हार्दिक अभिनन्दन किया गया। इसी बीच श्री रमेश कुमार दत्ता जो कि दिल्ली निवासी यहाँ पर केहरी गाँव में एक होस्टल का संचालन कर रहे हैं। सपरिवार मोहयाल मिलन में पधारने पर करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। श्री हर्षवीर मेहता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभा की गतिविधियों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि हमारी सभा सन् 1981 से प्रेमनगर में चल रही है तथा हर माह के अन्तिम रविवार को निरन्तर बैठक होती

चली आ रही है। श्री डी.एन. दत्ता ने सभी मोहयाल भाई–बहनों एवं जी.एम.एस. से पधारे अतिथियों का आभार व्यक्त किया। श्री जे.एस. दत्ता (कोषाध्यक्ष) ने बताया कि हमारी सभा की तीन जरूरतमन्द महिलाओं को जीएमएस से विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके लिए रायज़ादा बी.डी. बाली अध्यक्ष तथा जी.एम.एस. के अन्य पदाधिकारियों को धन्यवाद किया। श्री जे.एस. दत्ता जी ने महिलाओं से आग्रह किया कि वे रोज़गार के अन्य विकल्पों पर विचार करें, जिससे जी.एम.एस. पर अधिक आर्थिक भार न पड़े। उन्होंने युवा वर्ग से कहा कि वे मोहयाल सभा के कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर भाग लें।

श्रीमती सुनीता मेहता जी.एम.एस. की प्रतिनिधि ने सभा को संबोंधिन करते हुए कहा कि मोहयाल मिलन में महिलाओं की अधिक संख्या देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि अपने बच्चों को मोहालियत के बारे में बताएं तथा उनको मोहयाल सभा के कार्यक्रमों से अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर ने अपने वक्तव्य में खन्ना (पंजाब) में आयोजित हुए रिश्ते–नाते मेला के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब भी कोई मोहयाल में विवाह रिश्ते–नाते मेला के माध्यम से होता है तो उसकी सूचना जी.एम.एस. को अवश्य दिया करें।

श्री एस.के. छिब्बर ने मोहयाल मिलन आयोजन पर बधाई दी और बताया कि रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने अपनी ओर से मोहयाल मिलन में भाग लेने के लिए कहा और अपनी शुभ कामनाएँ दीं। जनरल मोहयाल सभा की ओर से 'मोहयाल सभा प्रेमनगर' को 10,000 रु. का चैक शगुन के रूप में श्री एस.के. छिब्बर (वित्त सचिव) ने भेंट किया।

श्री डी.वी. मोहन (महासचिव जीएमएस) ने प्रेमनगर सभा के संस्थापक प्रधान स्व. के.एल. दत्ता से अपने सम्बन्धों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रेमनगर सभा द्वारा आयोजित मोहयाल मिलन में शामिल होने पर मैं बड़ा गर्व महसूस कर रहा हूँ। अपने संबोधन में उन्होंने युवा वर्ग को सभा की गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर भाग लेने का संदेश दिया क्योंकि आने वाली पीढ़ी भविष्य में सभाओं का आधार होगी।

श्री ओ.पी. मोहन जी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जी.एम.एस.) ने अपने भाषण में जीएमएस की उपलब्धियों एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

उन्होंने अधिक से अधिक सदस्यों को जी.एम.एस. के आजीवन सदस्य बनने का आग्रह किया। सभा द्वारा आयोजित मोहयाल–मिलन पर बधाई दी। विशिष्ट सदस्यों के संबोधन के पश्चात मेहमानों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। मोहयाल सभा देहरादून के श्री यशवन्त दत्ता, श्री राजेश मोहन एवं श्री प्रमोद मेहता सपत्नीक मोहयाल मिलन में पधारे। उनका स्वागत किया गया। श्री ओ.पी. मोहन जी ने खुश होकर मोहयाल युवाओं को कार्यक्रम के लिए अपनी ओर से 5100 रु. की धनराशि भेंट की।

जी.एम.एस. दिल्ली से आए प्रतिनिधियों के जाने के पश्चात कार्यक्रम की कार्यवाही दुबारा आरम्भ की गयी। जिसमें श्री हर्षवीर मेहता जी ने बच्चों से मोहयालियत से संबन्धित प्रश्न पूछे तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस कार्यक्रम में मोक्ष दत्ता, शुभम बाली, नकुल वैद, लक्ष्य छिब्बर, ध्रुव दत्ता, लक्ष्य दत्ता, कर्ण मेहता, हार्दिक बाली, अनमोल दत्ता विशिष्ट मोहन वैद आदि ने भाग लिया। विभिन्न आयु वर्ग के सदस्यों, महिलाओं तथा बच्चों ने तंबोला खेला। महिलाओं की संगीतमय कुर्सी–दौड़ आयोजित की गई। विजेताओं में क्रमशः निशा बाली, अंकुर दत्ता एवं सविता मेहता प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहीं। उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए।

श्री डी.एन. दत्ता जी ने कार्यक्रम के अंत में कहा कि श्री बी.डी. बाली जी तथा जी.एम.एस. के अन्य सदस्यों का आशीर्वाद हमारे साथ है। सर्वश्री ओ.पी. मोहन, डी.वी. मोहन, एस.के. छिब्बर, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर एवं श्रीमती सुनीता मेहता तथा अन्य मेहमानों का मोहयाल मिलन में शामिल होने पर धन्यवाद दिया। मोहयाल रत्न श्री बी.डी. बाली जी का पत्र जो कि सचिव राजेश बाली को कोरियर द्वारा प्राप्त हुआ था, पढ़कर सुनाया गया। जिसमें उन्होंने मोहयाल मिलन के लिए अपनी शुभकामनाएँ भेजी। इसी के साथ प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया तथा भविष्य में बड़ी संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अनुरोध किया। मोहयाल–मिलन के संयोजक श्री मोहिन्द्र दत्ता एवं श्री कविता दत्ता, उदय दत्ता एवं पूजा दत्ता को विशेष रूप से धन्यवाद दिया गया।

डी.एन. दत्ता, *प्रधान*
(मो.) 09410357404

राजेश बाली, *सचिव*
(मो.) 09758135583

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 5 मई 2013 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 45 भाई बहनों ने भाग लिया।

शोकः श्रीमती राम प्यारी बाली (धर्मपत्नी स्व. विश्वानाथ बाली, सेक्टर 19) का देहांत आज ही हुआ है और श्री आर.के. दत्ता (अस्टिेंट मैनेजर मोहयाल आश्रम, हरिद्वार) के बेटे का देहांत 5.04.2013 को अचानक हो गया। दोनों की आत्मा की शांति के लिए सबने दो मिनट का मौन रखा गया और प्रभु से प्रार्थना की कि प्रभु उनकी आत्मा को शांति दे।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। रमेश दत्ता जी ने सभी को अवगत करवाया कि आज 5 मई फरीदाबाद मोहयाल सभा का स्थापना दिवस है। आज के दिन 5 मई 1970 में श्री रायज़ादा आर.डी.एस. बाली के निवास स्थान चावला बिल्डिंग में सभा की पहली मीटिंग हुई थी। आज की मीटिंग में भी उस मीटिंग के दो सदस्य श्री बलराम छिब्बर और पहले जनरल सेक्रेटरी श्री मनमोहन छिब्बर जी उपस्थित थे। श्री के.जी. छिब्बर जी ने कहा कि 'मोहयाल मित्र' की समस्या बहुत गंभीर है। मोहयाल मित्र सदस्यों को नहीं मिलते, आप फरीदाबाद के सारे मोहयाल मित्र मोहयाल भवन में मंगवा लें। सभी सदस्य यहाँ से अपने मोहयाल मित्र ले लें। सभी सदस्यों ने इस सुझाव को सही नहीं माना। श्री रमेश दत्ता जी ने कहा कि इस समस्या को पिछले महीने की जी.एम.एस. मीटिंग में भी उठाया था, यह समस्या फिर पहुँचाई जाएगी। फिर भी जो सदस्य कोरियर से मंगवाना चाहे तो 150 रु. सालाना जी.एम.एस. में जमा करवा कर मोहयाल मित्र मंगवा सकते हैं।

श्रीमती बाला बाली जी ने मोहयाल स्थापना–दिवस पर गीत गाकर सभी का बहुत मनोरंजन किया। इस मौके पर मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की– सुखदेव दत्ता जी और आर.सी. दत्ता जी ने विधवा फंड में 500–500 रु. और जगमोहन छिब्बर और पी.के. दत्ता जी ने सभा के सहयोग के लिए 100–100 रु. दिए।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को अवगत कराया कि आज का स्वादिष्ट भोजन श्री आर.सी. दत्ता ने अपने पोते के जन्म दिन के उपलक्ष्य में दिया है। सबने बच्चे को दीर्घायु की प्रार्थना की।

जून माह की मीटिंग नहीं होगी। सात जुलाई की मीटिंग भवन में होगी सभी आने का कष्ट करें।

रमेश दत्ता, *प्रधान (मो. 9999078425)*
रायज़ादा के.एस. बाली, *जनरल सेक्रेटरी (मो.9899068573)*

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग 6.05.2013 को वीना जी की तरफ से मोहयाल आश्रम में हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। सभा की कार्यवाही गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, जिसकी अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता ने की। सभी सदस्यों ने श्री अशोक लव को 'आचार्य विजयेंद्र स्नातक स्मृति सम्मान' के मिलने पर बधाई दी। श्री अशोक लव जी ने साहित्य और कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान किया है। 'शब्द सेतु' संस्था की ओर से श्री अशोक लव को 'मोहयाल श्री' की उपाधि से सम्मानित किए जाने पर भी बधाई दी गई।

सभी बहनों ने श्रीमती कृष्णलता छिब्बर और श्री विनोद दत्त जी को खन्ना में हुए रिश्ते–नाते मेले के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

स्त्री सभा में एक बच्चे को आर्थिक सहायता दी गई। भगवान करे श्री बी.डी. बाली जी और उनकी टीम मोहयाल बिरादरी की ऐसे ही कार्य करती रहे। शांति पाठ के साथ बैठक समाप्ति हुई।

–श्रीमती प्रवीण बाली, *सेक्रेटरी*

नजफगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली–110043 की मई 2013 मास की बैठक दिनांक 5.05.2013 को प्रातः 10:30 बजे श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़ में सभा प्रधान कर्नल (से.नि.) बी. के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 15 बहन–भाई उपस्थित हुए। प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों का बैठक में स्वागत किया और दि. 7.04.13 को वृंदावन में हुई वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई,

जिसका सभी ने सहर्ष अनुमोदन किया। वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने अप्रैल 2013 मास का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। सभी सदस्यों ने इसका अनुमोदन किया।

जनरल मोहयाल सभा की वार्षिक आम बैठकः 26.05.2013 को होने वाली जनरल मोहयाल सभा की वार्षिक आम बैठक के प्रति प्रधान जी ने सदस्यों को विस्तार से अवगत कराया। इस बैठक में उपस्थित होने की सभी सदस्यों को सलाह दी।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायताः जीएमएस द्वारा वर्ष 2013–14 में दी जाने वाली शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता की बाबत प्रधान जी ने सूचित किया और कहा कि जिन जरूरतमंद विद्यार्थियों को इस सहायता की आवश्यकता है वे अपने प्रार्थना पत्र भरकर सभा में 5.08.2013 तक दे दें।

कुमारी मालविका बाली को बधाईः कुमारी मालविका बाली सुपुत्री श्रीमती वनीता बाली एवं श्री सुरेन्द्र कुमार बाली (डी–58, आनंद निकेतन, नई दिल्ली–21), फैशन डिजाईनिंग में स्नातक उपाधि की वर्ष 2012 की परीक्षा में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय में प्रथम आई। विश्वविद्यालय ने 12.04.2013 को कुमारी मालविका बाली को स्वर्ण पदक प्रदान किया। कुमारी मालविका बाली लड्डू घाटी पहाड़गंज, नई दिल्ली वाले श्री कृष्णलाल बाली (मास्टर जी) एवं श्रीमती शीला देवी बाली की पोती है। कुमारी मालविका बाली ने मोहयाल बिरादरी को गौरवान्वित किया। इस शुभ अवसर पर ताई श्रीमती शशि बाली एवं ताया श्री रविन्द्र बाली जी ने सभी संस्थाओं को दान राशि भेंट की। कुमारी मालविका बाली एवं परिवार को बधाई एवं धन्यवाद।

पदधारी की नियुक्तिः सभा के सामाजिक कार्यों को भली–भाँति चलाने के लिए प्रधान जी ने इस कार्य के लिए श्रीमती अर्चना दत्ता जी को पदधारी नियुक्त करने का सुझाव रखा, सभी सदस्यों ने श्रीमती अर्चना दत्ता को पदधारी नियुक्त करने की अपनी सहमति दी।

दान राशिः निम्नलिखित भाइयों ने सभा कोष में दान राशि भेंट की। बैठक में इन भाइयों का धन्यवाद किया गया।

1. श्री सुभाष दत्ता, नजफगढ़ ने अपनी पुत्री कुमारी किरण के दिनांक 31.01.2013 को विवाह के शुभ अवसर पर सभा कोष में 251 रु. भेंट किए। बधाई एवं धन्यवाद।

2. श्री विरेन्द्र दत्त बक्शी जी ने 100 रु. भेंट किए।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

–ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर,प्रधान
मो. 9210869406

जगाधरी वर्कशाप

मासिक बैठक दिनांक 5.05.2013 को प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में जंजघर मॉडर्न कालोनी, आई.टी.आई. में मोहयाली प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई।

सचिव श्री दिलबाग राय लौ, जिन्होंने आँख का अप्रेशन करवाया था, वह सभा में उपस्थित नहीं हो पाए। सभी सदस्यों ने उनके घर पर जाकर उनका हाल पूछा सबने भगवान से प्रार्थना की जल्द से जल्द आँख ठीक हो और सभा में आएँ।

जन्म–दिन की बधाईः समृद्धि बाली के पहले जन्मदिन पर सभी सदस्यों ने बधाई दी। समृद्धि बाली अंजली बाली और श्री संदीप बाली जी की बेटी है व श्रीमती बिमला बाली व श्री मंगल सेन बाली जी की पोती है। उसका जन्म–दिन 17.04.2013 को शिवपुरी–बी, आई.टी.आई. यमुनानगर में मनाया गया। इसी खुशी पर बाली परिवार की ओर से मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 151 रु. व जी.एम.एस. को 151 रु. भेंट किए गए।

सुझावः सभी सदस्यों ने अपने–अपने सुझाव रखे, जिसमें ज्यादा से ज्यादा सभा में सदस्य लाने का सुझाव अशोक वैद जी ने दिया। जिस पर प्रधान जी ने खुशी प्रकट की और कहा हर सदस्य अगली मासिक बैठक में अपने साथ आसपास के मोहयाल भाइयों को लेकर आएँ। बड़ी ही शान्ति पूर्वक सभा को चलाएँ। प्रधान सतपाल दत्ता जी ने कहा मुझे बड़ी खुशी होती है, जब सभा में नये सदस्य जुड़ते हैं।

शोक समाचारः श्रीमती पूनम बक्शी (धर्मपत्नी श्री राजिन्द्र बक्शी) जी (सैरी रूकवाला, जम्मू निवासी) का स्वर्गवास 10.04.2013 को हुआ और उठाला 20.04.2013 को हुआ।

श्री एस.एस. दत्ता जी का स्वर्गवास दिनांक 1.05.2013 को हुआ और उठाला 11.05.2013 को हुआ। वे काफी समय से बीमार थे। सभी सदस्य उनके घर पर गए और भगवान से प्रार्थना की और उनके बच्चों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। सभा दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए प्रभु से प्रार्थना करती है।

प्रधान जी ने सब सदस्यों का धन्यवाद किया और अगली मासिक बैठक जंजघर में ही 02.06.2013 को होगी।

–मेहता दिलबाग राय लौ, *सचिव*
फोनः 01732 258105

यमुनापार

मोहयाल सभा यमुनापार की कार्यवाही श्री विनोद छिब्बर जी की अध्यक्षता में 11 बजे भवन प्रांगण में प्रारम्भ हुई, जिसमें 20 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

श्री मोती सागर छिब्बर जी सभा के सदस्यों को समय पर पहुँचने का अनुरोध किया। श्री रतन दत्ता जी ने नए सदस्यों को सभा से जोड़ने और युवाओं को अधिक सक्रिय करने का सुझाव दिया जिसको यूथविंग के सचिव संजीव बाली ने श्री अनिल वैद के सहयोग से जो प्रयत्न किए, उसके बारे में सभा को बताया। प्रधान यूथ श्री उमेश बाली ने यूथ के कार्यक्रम के विषय जल्द ही सभा को बताएँगे।

प्रधान विनोद छिब्बर ने नए सदस्यों का स्वागत किया तथा श्री पवन बक्शी को सभा को नए सुझाव देने को कहा। श्री पवन जी ने मोहयाल सभा यमुनापार को 1100 रुपए दिए, जिसका सभी सदस्यों ने धन्यवाद दिया। अनिल वैद ने सभा में जन्म–दिन और सालगिरह मनाने के सुझाव दिए और आज ही श्री सतीश बाली जी के पोते अनिल वैद के पुत्र, अशोक वैद के पुत्र का जन्मदिन और श्री एस.एस. मोहन जी की सालगिरह पर केक कटवा कर मनाया गया।

अन्त में सभा में श्री दुनीचन्द वैद जी की मृत्यु पर सभा ने दो मिनट का मौन धारण किया तथा उनके पुत्र रमेश वैद ने सभा को 250 रु. और 250 रु. जीएमएस को भेंट किए। चाय नाश्ते के बाद सभा समाप्त हुई।

–विनोद बाली, *सचिव (मो. 9871819500)*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की मासिक मीटिंग प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन (न्यू कलोनी ऊना रोड होशियारपुर) में हुई। इस अवसर पर प्रधान जी ने नव संवत् के अवसर पर मोहयाल भाई बहनों को बधाई दी तथा सुख समृद्धि की मंगल कामना की। प्रधान जी ने विभिन्न स्थानों पर हो रहे जठेरों के मेलों के बारे में जानकारी दी ताकि लोग अपने अपने जठेरों के मेलों में शामिल हो सकें।

अगली मीटिंग 5 मई को एन.आर.आई. सेल के प्रधान श्री जगदीश लाल मेहता जी के जन्म–दिवस पर उनके निवास स्थान पर होगी। प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी ने सुझाव दिया कि मोहयाल सभा का खाता जो सैंट्रल बैंक में है मोहयाल भवन से दूर होने के कारण उसे केनरा बैंक, साधु आश्रम ऊना रोड में लाया जाए, ताकि सभा का

काम सुचारू रूप से चल सके। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति के साथ पास किया गया।

इस अवसर पर उपप्रधान दिनेश दत्ता, रविन्द्र दत्ता, ओंकार बाली महासचिव, विजयंत बाली सचिव, मनोज दत्ता, अमरजीत दत्ता, जगमोहन मेहता, वीरू दत्त वैद, श्री पी.पी. मोहन आदि शामिल थे।

-विजयंत बाली व मनोज दत्ता

अंबाला छावनी

दिनांकः 05.05.2013
स्थानः निवास कै. पी.आर वैद, प्रधान
उपस्थितिः 15 सदस्य
अध्यक्षताः कै. पी.आर वैद, प्रधान

सभा की मासिक बैठक मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरंभ हुई। एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने पिछली मासिक बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

शुभ सूचनाः श्रीमती ऊषा बाली ने सूचित किया उनकी पोती रिया बाली व पोते पारस बाली ने उत्तम अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण हुए हैं। सदस्यों ने बाली परिवार को ढेर सारी बधाई दी तथा होनहार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। इस अवसर पर दादी ऊषा बाली ने सभा को 200 रु. भेंट किए।

कै. पी.आर वैद ने अपनी पुत्रवधू जो एम.ए. बी.एड. है, आर्मी पब्लिक स्कूल अंबाला छावनी में टीचर की नियुक्ति की सूचना दी। सब सदस्यों ने श्रीमती सरिता पत्नी श्री धर्मेंद्र वैद (एस.बी.आई. में सहायक मैनेजर) का स्वागत किया तथा बधाई दी। कै. पी.आर. वैद जी ने लोकल सभा को 100 रु. भेंट किए।

जी.एम.एस. द्वारा 26.05.2013 (रविवार) को बुलाई गई मीटिंग में भाग लेने के लिए श्री एस.के. मेहता, एचएफओ एम.एल. दत्ता तथा सूबे. मे. आर.के.सी. दत्ता ने सभा में शामिल होने की इच्छा जताई।

श्री वी.के. वैद ने सुझाव दिया कि जो लोकल सभा सदस्य अब तक जी.एम.एस. के आजीवन सदस्य नहीं हैं उनकी 2100 रु. धन राशि सभा में एकत्र 100 रु. होती है। हर दो महिने में एक आजीवन सदस्य बनाया जाए। इस विषय पर चर्चा हुई परन्तु इस मामले पर विचार विमर्श होने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

भेंट राशिः श्रीमती ऊषा बाली 200 रु., कै. पी.आर वैद 100 रु., एचएफओ एम.एल. दत्ता 100 रु., सू.मे. आर.के.सी. दत्ता 100 रु., सर्वश्री एम.के. वैद, दीपक दत्ता, डिप्टी कमांडेंट पी.आर. मेहता, एस. के. मेहता सबने 100–100 रु. की धन राशि लोकल सभा को भेंट की।

अगली मीटिंग 2 जून 2013 को सनातन धर्म मंदिर, श्री लोकनाथ बाली जी ने बुलाई है। इसके साथ ही वैद परिवार का चाय नाश्ते की व्यवस्था के लिए धन्यवाद करते हुए बैठक की समाप्ति हुई।

कै. पी.आर. वैद, *प्रधान*
मो. 8930049580

एचएफओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव*
मो. 9896102843

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 05.04.2013 को भाई रविन्द्र कुमार छिब्बर जी के निवास स्थान गुरदेव मौहल्ला में सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्र एवं मोहयाल प्रार्थना के उच्चारण के बाद सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सभा में आए हुए नए सदस्यों का स्वागत किया गया।

पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई गई और पुष्टि हुई। बैठक में विशेष रूप से सभा के प्रधान को उनकी बड़ी सुपुत्री कुलविन्द्र कौर वैद के जन्मदिन 24.04.2013 के अवसर सभा की ओर से समस्त परिवार को जन्मदिन की बधाई दी। इस खुशी के अवसर पर सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी ने 100 रु. जीएमएस व 100 रु. मो. स. बराड़ा को भेंट किए। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव दत्ता के बेटे कार्तिक दत्ता का जन्म–दिन 14.05.2013 को है। सभी सदस्यों ने समस्त परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर परिवार के मुखिया श्री बलदेव दत्ता जी ने 100 रु. मो.स. बराड़ा को भेंट किए।

मोहयाल सभा बराड़ा दोनों परिवारों को बहुत–बहुत बधाई देती है। सभा के अन्त में प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी ने भाई रविन्द्र कुमार छिब्बर व समस्त परिवार का जलपान की सुन्दर व्यवस्था करने पर धन्यवाद दिया, व सभी सदस्यों से अनुरोध किया अगली बैठक में ज्यादा से ज्यादा मोहयाल भाई, बहन व बच्चे आएं।

स. वरिन्द्रपाल सिंह बाली, *महासचिव*
मो. 9991541515

उत्तम नगर

दिनांकः 12.05.2013
स्थानः सभा कार्यालय
उपस्थितिः 18 सदस्य
अध्यक्षताः श्री अनिल कुमार बाली, प्रधान

मोहयाल प्रार्थना एवं गायत्री मंत्रों के बाद सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सचिव श्री अविनाश दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। कोषाध्यक्ष श्री संजय बक्शी की पिछले छः महीनों की आय–व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया, जिसकी सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बधाईः श्री एस.पी. वैद एवं श्रीमती सुमेधा वैद जी ने अपने नए गृह प्रवेश के आयोजन 20.04.2013 को सभी सदस्यों को आमंत्रित किया। जिसमें भारी संख्या में बिरादरी ने शिरकत की। सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। *हवन पूजा* के बाद दोपहर के प्रीति भोज का विशेष इंतजाम था। लज़ीज खाने और स्नेह भरी आवभगत ने इस आयोजन को चार चाँद लगा दिए। श्रीमती एवं श्री एस.पी. वैद जी ने सभा उत्तम नगर को 301 रु. भेंट किए।

बैशाखी उत्सवः श्रीमती डिम्पी दत्ता एवं श्रीमती तमन्ना दत्ता जी ने संयुक्त रूप से सभा को बैशाखी के शुभ अवसर पर अपने यहाँ आमंत्रित किया, जिसमें 16 सदस्य शामिल हुए। चर्चाओं एवं विचारों के आदान प्रदान के साथ साथ हँसी मज़ाक भी खूब चला। बेहतरीन आवभगत के लिए सदस्यों ने दोनों सदस्यों को धन्यवाद दिया।

26 मई को होने वाली ए.जी.एम. में भाग लेने के लिए कार्यक्रम की रूप रेखा बनाई। इस बार ज्यादा से ज्यादा आजीवन सदस्य इसी मीटिंग में भाग लें, इसके लिए प्रयासों में तेजी लाई जाएगी। लाईट रिफ्रेशमेंट एवं शांति पाठ के बाद सभा समाप्त की घोषणा की गई।

-सुनील दत्त, *महासचिव*
मो. 9311466836

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 12 मई 2013 को श्री नरेन्द्र पाल दत्ता जी के (6, कृष्णा नगर) निवास स्थान पर प्रधान श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वन्दना के पश्चात निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

1. श्री त्रिलोक नाथ बाली जी, पिता श्री विजयंत बाली, पवन बाली व वरूण बाली का 19 मार्च 2013 को होशियारपुर में निधन हो गया था, वह समाज सेवा में अग्रणी थे।

2. श्री रामप्रकाश मेहता (भीमवाल) जी का 27 मार्च 2013 होली के दिन को साहिबाबाद में निधन हो गया था। वह श्री हिमांशू मेहता जी के पिता थे तथा श्री नरेन्द्र छिब्बर के ससुर थे। वह शालीमार गार्डन की सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में काफी लोकप्रिय थे।

3. श्रीमती पुष्पा रानी (धर्मपत्नी श्री कुलदीप दत्त) जी का 29 अप्रैल 2013 को नीलोखेड़ी में निधन हो गया था। वे सभा की सक्रिय सदस्य थीं। वे विजय मेहता जी की सास थीं।

सदस्यों को 26 मई 2013 को जी.एम.एस. मुख्यालय में आयोजित होने वाली वार्षिक बैठक की सूचना दी गई तथा लाईफ मैम्बर से इसमें पहुँचने का अनुरोध किया गया।

सभा के पूर्व चीफ पैटरन श्री विश्वामित्र भीमवाल जी द्वारा अबोहर में नई मोहयाल सभा के गठन करने पर पानीपत सभा ने मुबारकबाद व शुभकामनाएँ दीं। श्री विजय मेहता जी के सुपुत्र श्री भारत मेहता की शादी हाल ही में सम्पन्न हुई है, उन्हें बधाई दी गई। श्री रविन्द्र बाली जी के घर 27 अप्रैल 2013 को पोता हुआ है, उन्हें बधाई दी गई। श्री जितेन्द्र छिब्बर जी के घर भी पुत्र का जन्म हुआ है, उन्हें भी मुबारक दी गई। श्री भूपेन्द्र सिंह दत्ता जी द्वारा गृह प्रवेश करने पर परिवार को बधाई दी गई।

खन्ना मोहयाल सभा द्वारा भव्य रिश्ते–नाते मेले का सफल आयोजन करने पर बधाई दी गई। मोहयाल मित्र के सम्पादक 'डॉ. अशोक लव' को सम्मान पाने पर मुबारक दी गई। मोहयाल सभा खन्ना के प्रधान श्री विनोद दत्ता को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी गई।

सर्वश्री कैलाश वैद, लवनीश मेहता व रमन दत्ता जी ने पिछला कई माह से 'मोहयाल मित्र' न मिलने की शिकायत की। इसके लिए मीटिंग में पोस्ट मास्टर पानीपत के नाम एक शिकायती पत्र लिखा गया।

शांति पाठ के साथ बैठक सम्पन्न हुई। मीटिंग आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती रजनी दत्ता व श्री नरेन्द्रपाल दत्ता जी का धन्यवाद किया गया। सभा की अगली मीटिंग 9 जून को श्री भूपेन्द्र सिंह दत्ता जी के निवास स्थान पर होगी।

-नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव*
मो. 09416412184, 09315017928

सुख–दुःख

हम किसी से न पूछें, वो बहुत सुखी हैं,
वैसे सोचते हैं, वह हमसे भी बहुत सुखी हैं,
जब बात करते हैं, तो पता चलता है वो बहुत दुःखी हैं।

ईश्वर ने सम्पूर्ण सृष्टि की ऐसी रचना की है,
यहाँ सभी किसी न किसी कारण से दुःखी है,
हमें सन्तोष नहीं होता, इसलिए हम भी दुःखी हैं।

किसी की औलाद नहीं, वह उस कारण से दुःखी है,
जिसकी औलाद है, वह उनकी हरकतों से दुःखी है,
जिसके बच्चों का विवाह नहीं होता उससे दुःखी है।

समाज परिवर्तनशील है, आज वह भी दुःखी है,
इक्सवीं सदी में आज के युवक, युवतियाँ भी,
बड़ों का आदर नहीं करते, बुजुर्ग माता पिता भी दुःखी हैं।

ईश्वर के हम शुक्रगुजार हैं, हम उनसे सुखी हैं,
इस सुखमय जीवन को बनाने में प्रभु शक्ति प्रदान करें,
हम लाखों से अच्छे हैं, एवम् बहुत सुखी हैं।

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर
सी–80, नीति बाग, नई दिल्ली–110049

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

अमर शहीद भाई बालमुकन्द (छिब्बर) के शहीदी दिवस 8 मई, 2013 पर श्रद्धांजलि

अमर शहीद भाई बालमुकन्द (छिब्बर) जो देश की आज़ादी के लिए यह कहते हुए फांसी पर झूल गए "दिल्ली के इसी नगर में मेरे पूज्यनीय पूर्वज भाई मति दास ने धर्म और स्वतंत्रता की खातिर अपने प्राणों का बलिदान किया था। मैं कितना सौभाग्यवान हूँ कि माँ के चरणों पर अपने जीवन को भेंट चढ़ा रहा हूँ। मुझे इस बात की अत्यन्त प्रसन्नता है। वे मोहयाल थे। मोहयाल वीरता एवं सदाचार के उदाहरण

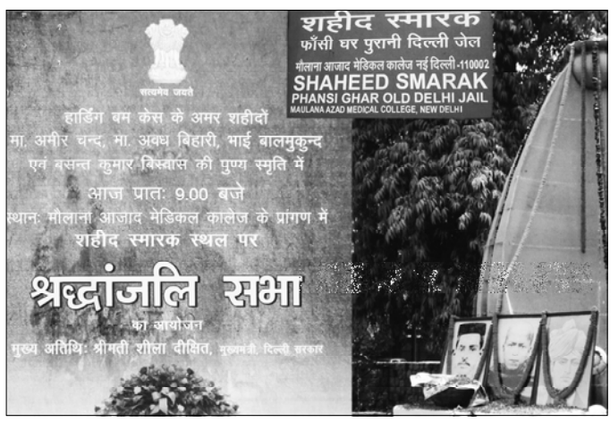

हैं। राष्ट्र–रक्षा एवं धर्म–रक्षा के लिए जीवन को बलिदान करने से कम नहीं सोचते। इनके योद्धा संस्कार परम्परा से सत्यापित हैं।

गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिल्ली सरकार ने हार्डिंग बम केस के अमर शहीदों– भाई बालमुकन्द, मास्ट अमीर चन्द, मास्टर अवध विहारी को उनके शहीदी दिवस 8 मई 2013 की पुण्य स्मृति में जहाँ इन शहीदों को फाँसी घर पुरानी दिल्ली जेल, जो अब मौलाना आजाद मेडीकल कॉलेज, नई दिल्ली के प्रांगण में शहीद स्मारक–स्थल के रूप में है, फाँसी दी गई थी। इस स्थल पर शहीदी दिवस 8 मई 2013 को प्रातः 9 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य–अतिथि श्रीमती शीला दीक्षित (मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार) ने सभी शहीदों को पुष्प चढ़ा कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर आए अन्य श्रद्धालुओं ने भी शहीदों की कुर्बानी याद करते हुए नम आँखों से श्रद्धा सुमन चढ़ाए। इसी केस के शहीद बसन्त कुमार बिसवास को 9 मई, 1915 को अम्बाला जेल में फाँसी दी गई थी।

कहते हैं जब भाई बालमुकन्द को फाँसी के तख्ते की ओर ले जाया जा रहा था, तो उन्होंने सिपाही से अपना हाथ छुड़ा लिया, दौड़ कर सीढ़ियाँ चढ़ गए और अपने हाथों से रस्सी का फंदा अपने गले में डाल लिया। क्या उल्लास था उनमें! किस उमंग से भरे होंगे वे!

"जब अन्त समय आया तो कह गए कि हम चलते हैं।
खुश रहना ऐ देश के प्यारो अब हम तो सफर करते हैं।
तस्वीर नयन में खींचों क्या लोग थे वे अभिमानी।"

व्यर्थ ना जाने देना आधुनिक भारत के मोहयाल नितिन, सुनील, पुनीत, रोहित, रविदत्त व नवीन जैसे शहीदों की कुर्बानी जैसा कि भाई बालमुकन्द जी की सोच थी, जो हम नहीं देख पाए, वो तुम्हें दिखा जाएगें। यानि आजादी। और वास्तव में आज हम इन्हीं शहीदों के बलिदान स्वरूप आजादी की साँस ले रहे हैं।

अमर शहीद भाई बालमुकन्द छिब्बर जी को उनके शहीदी दिवस पर शत्–शत् नमन् शहीद बाल मुकन्द अमर रहें।

–हरिओम मेहता छिब्बर
मो. 9990041770

श्री निरंजन लाल बाली का निधन

पश्चिम विहार, नई दिल्ली मोहयाल सभा के प्रथम प्रधान श्री निरंजन लाल बाली का दिनांक 27.10.2012 को दिल्ली में स्वर्गवास हो गया, तथा उनकी रस्म पगड़ी हरिद्वार में हुई।

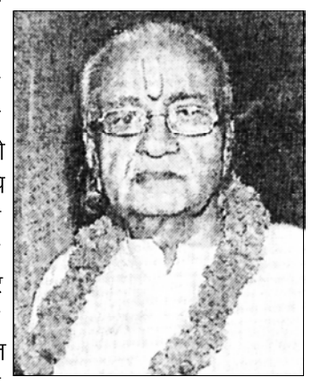

वे पश्चिम विहार मोहयाल सभा के संस्थापक सदस्यों में थे। उन्होंने वकालत की पढ़ाई की थी। वे जल्दी ही धार्मिक–सामाजिक कार्यों में रुचि लेने लगे तथा अपने पूज्य पिता गोस्वामी प्रीतम लाल जी महाराज के आशीर्वाद से आजीवन हरिद्वार और दिल्ली में श्री गोपी नाथ लालजी महाराज की सेवा में समर्पित रहे। वे 74 साल के थे। उन्होंने पश्चिम विहार, दिल्ली में भी गोपी नाथ लालजी मन्दिर की स्थापना की तथा अपने पूरे परिवार के साथ लालजी ट्रस्ट और मन्दिर की सेवा में सलंग्न रहे। आपकी प्रेरणा से आपका परिवार भी ट्रस्ट मन्दिर की सेवा में समर्पित हैं। वे उच्च और उदार व्यक्तित्व के धनी थे तथा मोहयाल बिरादरी की हर तरह से सेवा व योगदान के लिए तत्पर रहते थे। वे शुरू से ही पश्चिम विहार मोहयाल सभा की बैठकें कई सालों तक मन्दिर प्रांगण में कराते रहे। यहाँ तक कि पश्चिम विहार मोहयाल सभा का डाक पता अभी तक इस लालजी मन्दिर का ही है।

वे अपने पीछे धर्मपत्नी गोस्वामी उमा बाली, पुत्र गोस्वामी श्यामलाल बाली, गोस्वामी जयलाल बाली, गोस्वामी लोकेश लाल बाली, पुत्र बधुएँ तथा पोते–पोतियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए।

श्रीमती चांदा बाली का निधन

हमारी माता जी श्रीमती चांदा बाली का 84 वर्ष की आयु में मौनी अमावस्या के दिन 10 फरवरी 2013 को निधन हो गया। वे बेहद सरल स्वभाव और शांत प्रकृति की मूर्ति थीं। सदा शिव उपासना में मस्त रहती थीं।

वे मूलतः बारामूला कश्मीर की निवासी थीं। दुर्भाग्य से सन् 1989 को कश्मीर से कश्मीरी पंडितों को सन् 1989 में पलायन करके जम्मू आना पड़ा। वे तब से जम्मू में रहती थीं। मैं सुंदर नगर हिमाचल प्रदेश में रह रहा हूँ। पिता पंडित मधुसूदन बाली जी के आठ वर्ष पूर्व निधन के बाद माता जी अधिकतर मेरे पास रहती थीं। पिताजी आध्यात्मिक संतों जैसा जीवन जीते थे। माता–पिता

की कमी खल रही है। विधि के विधान के सामने किसी का बस नहीं चलता।

अपनी माता जी की स्मृति में मैं 1100 रुपए जी.एम.एस. के विधवा फंड के लिए भेंट कर रहा हूँ। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। माता जी नहीं रहीं पर उनका आशीर्वाद सदा साथ रहे।

-डॉ. रोशन लाल बाली, *संचालक–ज्योतिष शोध संस्थान, पुराना बाज़ार, सुंदर नगर, (हि.प्र.) मो.: 09418651999, 09816073028*

श्री रामप्रकाश मेहता जी का निधन

श्री रामप्रकाश मेहता (भीमवाल) जी का 27 मार्च 2013 को नरेन्द्र मोहन अस्पताल, मोहन नगर, गाजियाबाद में निधन हो गया। 26 मार्च 2013 को अचानक उनकी तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया था।

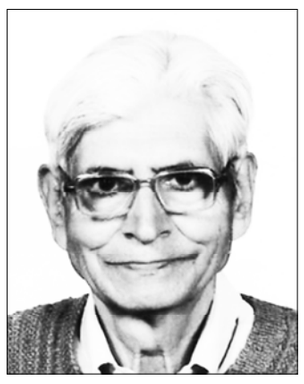

श्री रामप्रकाश मेहता जी 14 जुलाई 1940 को स्व. श्री दौलतराम मेहता व श्रीमती चन्द्रकान्ता मेहता जी के यहाँ कैमलपुर (पाकिस्तान) में पैदा हुए थे। वह 2012, पार्क रोड, देहरादून के रहने वाले थे, और आजकल अपने सुपुत्र श्री हिमांशु मेहता (भीमवाल) के साथ ए–159, सी–2, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद में रह रहे थे। एम.ई.एस. से सेवानिवृत्त मेहता जी यहाँ श्री राम वाटिका में लांफिग क्लब बनाने की वजह से चर्चित थे, साथ ही सीनियर सिटीजन एसोसिएशन में भी सक्रिय रूप से भाग लेते थे। हरिद्वार मोहयाल आश्रम के शिलान्यास, उद्घाटन, वृंदावन आश्रम के उद्घाटन के अवसर, प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह हों या अन्य कोई जी.एम.एस. का कार्यक्र वह हमेशा उसमें उपस्थित होते। मार्च में ही वह मुझसे गोवर्धन आश्रम के बारे में बात कर रहे थे।

मेहता जी के परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती कमला मेहता, सुपुत्र हिमांशू मेहता, बहू श्रीमती मोनिका मेहता, बेटी श्रीमती अंजू छिब्बर, दामाद श्री नरेन्द्र छिब्बर, पोता–योगित, पोती–तवीशा, दोहते–पवन व सुमिल छिब्बर, भाई–सर्वश्री सुभाष चन्द्र, शिव कुमार, प्रवीण कुमार, प्रदीप कुमार, बहन–श्रीमती सुर्वणा दत्त, जीजी–श्री दिलबाग राय दत्ता व श्री पुविन्द्र बाली इत्यादि हैं।

इस अवसर पर श्रीमती कमला मेहता ने 1100 रु. की राशि जी.एम.एस. को भेंट की।–*नरेन्द्र छिब्बर, पानीपत*

भाई वेद व्यास दत्ता की नई पुस्तक

मोहयाल इतिहास के ज्ञाता और अनेक पुस्तकों के लेखक भाई वेद व्यास दत्ता (गद्दी वीरम शाही) की नई पुस्तक 'संत नगरी पुंछ का महान तीर्थ बूढ़ा अमरनाथ चट्टानी भोला तथा ऐतिहासिक पुंछ नगरी संत नगरी तब और अब' प्रकाशित हुई है। इसकी एक प्रति हमें प्राप्त हुई है। इसमें पुंछ के बारे में प्राचीन और नवीन जानकारियाँ दी गई हैं। बूढ़ा अमरनाथ चट्टानी भोला (शिव) की कथा दी गई है। पुंछ के साथ मोहयालों का प्राचीनकाल से संबंध रहा है। ऐतिहासिक महत्व की इस पुस्तक के प्रकाशन पर लेखक भाई वेद व्यास दत्ता को बधाई। पुस्तक प्राप्त करने के लिए संपर्क करें–भाई वेद व्यास दत्ता, गद्दी बीरम शाह, अड़ी मेंढर, पुंछ (जम्मू कश्मीर)–185211 फोनः 094198 55567

-अशोक लव *(संपादक हिंदी मोहयाल मित्र)*

पुण्य-तिथि

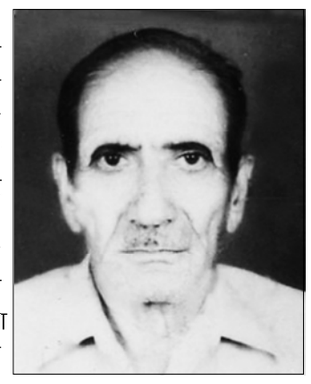

श्री बलराम वैद सुपुत्र स्व. श्रीमती स्वरूप देवी वैद एवं स्वर्गीय श्री बेली राम वैद, रावलपिंडी (पाकिस्तान) निवासी को 10वीं पुण्य–तिथि 13 मई 2013 के अवर पर पुत्र श्री सुनील कुमार वैद, नजफगढ़, नई दिल्ली ने अपने स्वर्गीय पिता श्री बलराम वैद की मधुर स्मृति में जनरल मोहयाल सभा के विधवा कोष में 151 रु. की दान राशि भेंट की।

बारहवीं पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

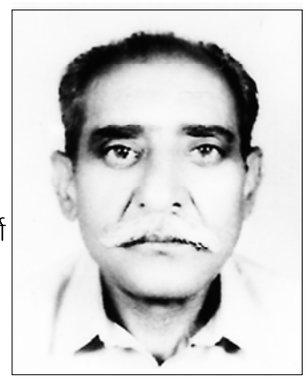

स्वर्गीय मदनलाल वैद सुपुत्र स्वर्गीय ब्रह्म दास वैद व स्वर्गीय श्रीमती मैनावंती वैद निवासी 4325/3, नाहन हाऊस अंबाला शहर की 12वीं पुण्यतिथि दिनांक 26.05.2013 की स्मृति में उनकी बेटी व दामाद श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली ने जी.एम.एस. के ऐजूकेशन फंड हेतु 100 रुपए भेंट किए।–*पंकज बाली, महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला व सदस्य मैनेजिंग कमेटी जी.एम.एस.*

बुझते दीये

अब मेरा नाम पेन्सिल से लिखा करो
न जाने कब मिटाना पड़ जाए।
जिन्दगी अब ढलान पर खड़ी है
न जाने कब पाँव फिसल जाए।
हर बात में मैंने अब र. तार भर दी है
न जाने कब वक्त की रेल हाथ से निकल जाए।
शाम तो, मुसाफिर, कब की हो चुकी
न जाने अब रात कब ढल जाए।
अब मेरा नाम पेन्सिल से लिखा करो
न जाने कब मिटाना पड़ जाए।

-निर्मला मोहन
जे–1005 पालम विहार, गुड़गाँव–122017

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

अनमोल ज्ञान

चिंता रहित सुखी जीवन की कुंजी

द्वारा–ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर

भारत वर्ष में उच्च कोटि के संतों ने जन्म लिया है। इन महान संतों में से एक थे संत ज्ञानेश्वर। एक बार विदेश में उनसे किसी ने पूछा कि वह कहां के रहने वाले हैं। उत्तर में संत ज्ञानेश्वर ने कहा कि पूरा विश्व मेरा घर है और हर जीवनधारी मेरे परिवार का सदस्य है। यह उत्तर सुनकर वह विदेशी चकित रह गया और संत ज्ञानेश्वर जी को अतिथि के रूप में अपने घर ले गया। कहते हैं कि वह विदेशी परिवार संत ज्ञानेश्वर जी से इतना प्रभावित हुआ कि पूरा परिवार संत जी का अनुयायी बन गया। यह थी हमारी भारतीय संस्कृति की महानता एवं मानवता का प्रभाव।

मानव जाति के समुदाय की सबसे छोटी इकाई परिवार होती है। फिर परिवारों से समाज व देश बनते है। देशों के समूह से विश्व कहलाता है। संत ज्ञानेश्वर ब्रह्म के निकट थे और हर प्राणी और स्वयं में ईश्वर को देखते थे। अतः सब जीवधारियों को अपने परिवार का सदस्य मानते एवं उनसे प्रेम करते थे। भगवान श्रीकृष्ण जी ने भी गीता उपदेश में कहा है कि ''मैं परमात्मा कण–कण में हूँ और हर प्राणी के अंदर मुझे ही देखो।'' आगे कहा है कि भगत मुझे अति प्रिय है जो सब जीवों में मुझको देखता है और किसी से द्वेष, ईर्ष्या एवं दुष्टता का व्यवहार नहीं करता। यदि इन तथ्यों की सच्चाई को हम मानकर चलें तो हमें ज्ञान मिलेगा कि हम सब में ईश्वर का अंश है। अतः हम सब प्राणी एक समान और एक ही हैं। गुरू गोविन्द सिंह जी ने भी कहा कि ''मानस की जात सभै एके मानबो।''

मेरे उपरोक्त लेख लिखने का उद्देश्य है कि जब हम सब में परमात्मा का अंश है तब तो एक–दूसरे के प्रति हमारा व्यवहार नम्रतापूर्वक एवं आदर सहित होना चाहिए। परन्तु सच्चाई यह है कि जीवन में लगातार बढ़ती इच्छाओं और अपने स्वार्थ की पूर्ति के जाल में फंसे होने के कारण हम अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं और फलस्वरूप हमारे अंदर क्रोध, लोभ, अंहकार, ईर्ष्या एवं द्वेष जैसे अवगुणों का प्रभाव प्रबल हो जाता है। यही मानव जाति के सबसे बड़े शत्रु हैं जो ईश्वर ही नहीं अपितु हमें समाज में भी आपस में एक–दूसरे से दूर रखे हुए हैं। यदि हम अपने परिवार एवं समाज की भलाई एवं प्रगति चाहते हैं तो हम दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा व्यवहार हम उनसे अपने लिए चाहते हैं। संसार में हम सब एक ही रूप में आते हैं और संसार से जाने के समय सब कुछ यहीं छोड़कर एक ही रूप में चले जाते हैं। फिर आपस में भेदभाव, द्वेष एवं ईर्ष्या किस बात की?

उपरोक्त अवगुण रूपी दुष्ट शत्रुओं से मुक्ति पाने के लिए आओ विनम्र होकर और सब मिलकर विनम्र भाव से अपने समाज की निस्वार्थ सेवा करें और जरूरतमंदों की जरूरतों को पूरा करने में दूसरों को सहयोग दें। ऐसे धमार्थ कार्य करने तथा आपस में मानवता का व्यवहार करने से ही हमारे परिवार एवं समाज का भविष्य उज्ज्वल होगा। ऐसा करने से जीवन की यह यात्रा हमें घृणा से लौकिक प्रेम, द्वेष से सिद्दी, भिन्नता से एकता तथा पीड़ा से परम सुख की ओर ले जाएगी।

–1253ए–1, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043
मो. 9210869406

बोले हुए शब्द वापस नहीं आते

एक पुरानी लोकोकित–
एक बार एक किसान ने अपने पड़ोसी को भला बुरा कह दिया, पर बाद में अपनी गलती का एहसास हुआ तो एक संत के पास गया, उसने संत से अपने शब्द वापिस लेने का उपाय पूछा–

संत ने किसान से कहा कि ''तु खूब सारे पंखें इकट्ठा करके और शहर के बीचों बीच ले जाकर रख दो, किसान ने ऐसा ही किया और फिर संत के पास पहुँचा।

तब संत ने कहा, ''अब जाओ और उन पंखों को इकट्ठे करके वापिस ले जाओ।''

किसान वापिस गया तब तक सारे पंख हवा से इधर उधर उड़ चुके थे। किसान खाली हाथ संत के पास पहुँचा। तब संत ने उससे कहा कि ठीक ऐसा ही तुम्हारे द्वारा कहे गए शब्दों के साथ होता है, तुम आसानी से इन्हें अपने मुख से निकाल तो सकते हो पर चाह कर भी वापस नहीं ले सकते।''

इस कहानी से क्या सीख मिलती है–

कुछ कटुता बोलने से पहले ये याद रखें कि भला–बुरा कहने के बाद कुछ भी करके अपने शब्द वापस नहीं लिए जा सकते, हाँ आप उस व्यक्ति से आकर क्षमा जरूर माँग सकते हैं, और माँगनी भी चाहिए पर मानव स्वभाव कुछ ऐसा होता है कि कुछ भी कर लीजिए लेकिन इन्सान कहीं न कहीं घायल हो ही जाता है।

जब आप किसी को बुरा कहते हैं तो वह उसे कष्ट पहुँचाने के लिए होता है पर बाद में वह आपके ही अधिक कष्ट देता हैं। खुद को कष्ट देने से क्या लाभ? इससे अच्छा है कि चुप रहा जाए।

-विवेक मेहता, *डोईवाला, देहरादून (मो. 9719159780)*

मोहयाल हो नहीं सकता

बस अपनी ही सोचा करे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
गम में ही जो रोता रहे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
जाग कर जो सोता रहे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
अहंकार में डूबा रहे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
क्रोध के वश में रहे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
मोह–पाश में बँध कर रहे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
महिलाओं पर जो जुल्म सहे,
मोहयाल हो नहीं सकता।
ऋषियों की निंदा करे,
मोहयाल हो नहीं सकता।

❑ईशा मोहन,
नंदपुर (सांबा) जम्मू–कश्मीर (मो.) 09419245604

PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2013

***For Classes* Secondary *and* Sr. Secondary**
(Mohyal Students)

Eligibilty: 80 percentage and above **Last Date: 31st July 2013**

1. Name: .....(Caste – Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)
2. Mother's Name: .....(Caste before marriage.....)
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: .....
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	Percentage .....

Signature of student **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2013 Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of each photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Secy. GMS and Convenor Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067. Ph.: 011-26560456, 26561504

You can send forms through Local Mohyal Sabhas.